विवेकानन्द जयंती प्रतिवेदन

12.01.2018

आज दिनांक 12.01.2018 को हिन्दुपत महाविद्यालय के प्रांगण में स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य प्रो. विनोद सिंह भदौरिया एवं समस्त स्टॉफ द्वारा सरस्वती दीप प्रज्जवलन एवं स्वामी विवेकानन्द प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा की गई। विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना की गयी।

शारीरिक अनुदेशक श्री वासिम वारि द्वारा योगाभ्यास में सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न आसन करवायें गये। योगाभ्यास विद्यार्थियों के अतिरिक्त समस्त स्टॉफ के द्वारा भी किया गया। श्री वासिम वारि ने योग के प्रकार एवं लाभों पर भी विचार प्रस्तुत किये।

संस्थान के वरिष्ठ आचार्य डॉ. रामनिवास हुड्डा द्वारा स्वामी विवेकानन्द के शिक्षा दर्शन विषय पर अपने विचार रखें। श्री हुड्डा जी ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने जो भारत निर्माण का दर्शन दिया था उसे आज हम साकार नहीं कर पा रहे हैं। युवा अपनी शक्ति को पहचान कर उनको साकार कर सकता है।

संस्थान के प्रवक्ता श्री विनोद कुमार सुथार ने कैरियर निर्माण पर अपने विचार रखे और कहा कि हमारा ध्यान कौशल पर होना चाहिये न कि रोजगार पर। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सहायक आचार्य श्री दीपक कुमार यादव ने इस अवसर पर युवा मार्गदर्शन पर अपने विचार रखे और कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन की प्रत्येक घटना से हम प्रेरणा ले सकते हैं। समस्याओं का डटकर सामना करने व सत्य पर चलने और लक्ष्य प्राप्ति के लिये अडिग रहने के विषय में प्रेरक प्रंसगों से अपनी बात रखी।

विद्यार्थी कैलाश ने कहा कि मैंनें गत वर्ष 12 जनवरी 2017 के योगाभ्यास से प्रेरित होकर अबतक मैं योगाभ्यास कर रहा हूँ जिसका मेरे मन और शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

अध्यक्षीय भाषण में संस्था के प्राचार्य प्रो. विनोद सिंह भदौरिया ने राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान स्वामी विवेकानन्द के दर्शन से करने का आहवान किया। प्राचार्य श्री भदौरिया जी ने कहा कि सफलता एक दिन में नहीं आती बल्कि एक दिन जरूर मिलती है। अतः हमें लक्ष्य की ओर चलते रहना चाहिये।

कार्यक्रम के अन्त में संस्थान के प्रबंधक श्री राजगोपाल जी ने योगाभ्यास से प्रेरित होकर प्रति शनिवार योग कक्षा शुरू करने का निवेदन प्राचार्य जी से किया और उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अन्त में सभी को अल्पाहार भी दिया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता – श्री वासिम वारि ने विद्यार्थियों के बीच रस्साकसी, कबड्डी और बॉलीबॉल खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करवाया।